

1000 युगों के बराबर या मनुष्यों के 432000000 वर्षों के समय के बराबर है।

**महाकवि** पुं. (तत्.) 1. बहुत बड़ा कवि, उच्चकोटि का कवि, वह कवि जिसने किसी महाकाव्य की रचना की हो 2. बहुत बड़ा वैद्य 3. शुक्राचार्य।

**महाकापालिक** पुं. (तद्.) 1. परम शिव 2. कापालिकों में श्रेष्ठ।

**महाकामुक** पुं. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जो अत्यंत कामुक प्रवृत्ति का हो और अपनी काम भावना की पूर्ति के लिए बुरे से बुरा रास्ता अपना सकता हो, अपनी यौन-इच्छा तथा यौन-पूर्ति की लत के प्रति निराशाजनक रूप से आदी या व्यसनी व्यक्ति।

**महाकायता** वि. (तद्.) भीमकायता, बहुत भारी, आकार में बड़े शरीर वाला।

**महाकाल** पुं. (तत्.) 1. अखंड और अनंत, कालपुरुष, शिव; शिव का संहारकारी रूप, रुद्र, महादेव, त्रिलोचन, परम शिव 2. उज्जैन में स्थापित एक प्राचीन शिवलिंग जो 12 ज्योति लिंगों में से एक है 2. एक लता का नाम।

**महाकाली** स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा, रुद्राणी, चंडिका, अंबिका 2. महाकाल स्वरूप शिव की पत्नी पार्वती का एक भीषण रूप।

**महाकाय** वि. (तत्.) जिसका शरीर बहुत बड़ा हो, बड़े डील-डौल वाला, हाथी पुं. शिव का एक गण।

**महाकाव्य** पुं. (तत्.) काव्य. वह सर्गबद्ध काव्य ग्रंथ जिसमें प्रायः सभी रसों, ऋतुओं, सामाजिक कार्य-कलापों और प्राकृतिक दृश्यों आदि का वर्णन हो, बड़ा और सर्वश्रेष्ठ काव्य।

**महाकेंद्रक** पुं. (तत्.) प्राणी. पक्ष्म या रोम के दो या दो से अधिक केंद्रक वाला होने पर अधिक भारी व अधिक घनत्वों का केंद्रक जिसके नियंत्रण का शेष केंद्रकों पर असर पड़ता है।

**महाखर्ब** पुं. (तद्.) महाखर्व, एक सौ खर्व या खरब की संख्या, 10 अरब।

**महागर्त** पुं. (तत्.) उबालने के लिए बनाया गया एक बहुत बड़ा कड़ाह जो प्रायः बड़े-बड़े कारखानों में होता है।

**महागौरी** स्त्री. (तत्.) देवी दुर्गा, पार्वती।

**महाचिति** स्त्री. (तत्.) शुद्ध चेतन-स्वरूप परमात्म-शक्ति, शिव और शक्ति की समष्टि रूपा पराशक्ति।

**महाजनी** स्त्री. (देश.) 1. महाजन-संबंधी 2. महाजनों में होने वाला 2. रुपए के लेन-देन का व्यवसाय/पेशा 3. महाजनों के व्यवहार की एक लिपि, मुड़िया 4. ब्याज दर धन का लेन-देन।

**महाजल** पुं. (तत्.) समुद्र।

**महाजलप्रलय** पुं. (तत्.) कुछ मतावलंबियों के अनुसार ऐसा प्रलय जिसमें सारी सृष्टि जल में विलीन हो जाती है या डूब कर नष्ट हो जाती है।

**महाजानी** पुं. (तद्.) 1. बहुत बड़ा जानी व्यक्ति 2. शिव, महादेव, महामुनि।

**महाडोल** पुं. (देश.) एक प्रकार की बड़ी पालकी, शिविका।

**महादय** वि. (तत्.) अति धनाढ्य, बहुत धनी; परम समृद्ध, बहुत अधिक संपन्न।

**महातत्त्व** पुं. (तत्.) 1. महत्व, सांख्य योग में प्रकृति का पहला कार्य या विकार जिससे अहंकार की उत्पत्ति होती है, बुद्धितत्त्व यथा-प्रकृति, शब्दादि, गुण, देवता, मरुदग्नि, अमलांबु 2. जीवात्मा।

**महातल** पुं. (तत्.) 1. पाताल आदि सात लोकों में से एक लोक 2. 14 भुवनों में से पृथ्वी के नीचे का पाँचवा भवन या तल।

**महातारा** स्त्री. (तत्.) तारा देवी का एक रूप।

**महातेज** वि. (तत्.) 1. अत्यंत तेजस्वी 2. बहुत वीर और पराक्रमी, शूरवीर 3 अग्नि 4. पारा।

**महात्मा** पुं. (तत्.) 1. महान आत्मा, महापुरुष 2. परमात्मा 3. साधु, संत, संन्यासी, योगी।

**महात्यय** पुं. (तत्.) बहुत गंभीर, संकट।